Concept note

सार्वजनिक स्थल सुकुन भरा

सार्वजनिक स्थल पर परिस्थितियाँ
दोनों निवासी : सेवादाता एवं सेवा प्राप्त करने वालों, की स्थिति

बेहतरी के लिए हम सबों को क्या करें कि

सार्वजनिक स्थल हम सभी निवासियों के लिए सुकुन भरा हो।

<u>विषय सारणी</u>

A. परिचय
B. 'सार्वजनिक स्थल कैसा हो' चर्चा के लिए प्रारूप
C. संकलन का सम्भावित प्रभाव
D. सभी वर्गों का सहयोग
E. विशेषज्ञ समूह
F. युवा एवं बच्चों के लिये प्रोजेक्ट

Annexure A:

A. परिचय

हम में से कई लोग अपने रोजमर्रा के सचेतन (conscious) जीवन का ज्यादातर हिस्सा घर के बाहर समुदाय में या सार्वजनिक स्थल पर बिताते हैं, जैसे:- यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी (13.9 घंटे 81.9 %), सेल्स पर्सन (14 घंटे 80 %), ऑफिस आने-जाने वाला व्यक्ति (3 घंटे 18 %), सब्जी खरीदने वाले गृहिणी एवं गृहस्थ (1.5 घंटे 8 %), इत्यादि। विभिन्न व्यवसाय एवं कार्य से जुड़े व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर लगभग कितना समय बिताते हैं, इसका संक्षिप्त संकलन अनुलग्नक में दिया गया है।[1]

<u>हम सभी लोग घर परिवार में सुकुन की जिन्दगी व्यतित करते हैं, क्यों न बाहर में भी ऐसा माहौल हो ताकि बाहर का समय भी हम सबों के लिए सुकुन भरा हो।</u>

सुकुन भरा परिस्थिति होने के लिए सार्वजनिक स्थल कैसा हो? सार्वजनिक स्थल पर परिस्थितिवार कुछ बिन्दुओं पर समझ बनाया जा रहा है, एवं बेहतरी के लिए सम्भावित उपाय पर कार्य का आधार तैयार किया जा रहा है।

[1] यह संकलन एथिकल फाउंडेशन दल के द्वारा तैयार किया गया है।

B. 'सार्वजनिक स्थल कैसा हो' चर्चा के लिए प्रारूप

- सेवा क्षेत्र
- जिस जगह अवलोकन की जा रही है उस जगह का नाम
- अवलोकन के समय की परिस्थिति
- सार्वजनिक सेवा के संबंध में आम लोगों की सेवा प्राप्त करने की स्थिति
- सेवा देने वालों की स्थिति
- उस परिस्थिति में सेवायें कैसी होना चाहिए
- कानून में इसके लिए क्या प्रावधान है?

C. संकलन का सम्भावित प्रभाव

इस संकलन का प्रभाव दुर्गामी हो सकता है, साथ ही इसका प्रभाव तत्कालिक रूप से भी आम लोगों को प्राप्त हो सकता है।

संकलन के तथ्यों के प्रचार प्रसार से हम सभी निवासियों का सहयोग प्राप्त होने की संभावना ज्यादा है। हम सभी निवासी भी अपने सार्वजनिक स्थल की बेहतरी के लिये कुछ सहयोग कर पायेंगे।

सार्वजनिक जीवन तभी बेहतर होगा जब सरकार, निवासी और सेवादाता एक साथ मिलकर काम करें। यह प्रयास आम निवासियों की सह-भागिता के लिये है।

D. सभी वर्ग का सहयोग

इस संकलन में युवाओं, समाज सेवियों, सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं निवासियों का योगदान महत्वपूर्ण है और उनका सहयोग का आमंत्रण इस concept note के माध्यम से किया जा रहा है। यह पूरे समुदाय की बात है, अत: इस प्रक्रिया को अच्छी वैज्ञानिक एवं उचित ढंग से करने के लिये विशेषज्ञों एवं कानूनविद लोगों की सहभागिता अति आवश्यकता है।

इस प्रकार इस प्रक्रिया के निम्न प्रतिभागी या सहयोगी हो सकते हैं।

- सभी निवासी
- सेवादाता
- घर से बाहर सार्वजनिक जगह पर व्यतित करने वाला व्यक्ति
- सरकारी तंत्र
- युवा एवं विद्यार्थी
- समाज सेवी, सामाजिक कार्यकर्त्ता

E. विशेषज्ञ समूह

इस संकलन में वास्तविक परिस्थिति का आकलन किया जा रहा है और आम निवासियों के अनुभवों को आधार बनाया जा रहा है, अत: इसमें विशेषज्ञों के सुझाव, अनुभव एवं विचार का बहुत ही महत्व है ताकि सभी निवासियों एवं सेवादाताओं की अपेक्षा तकनिकी रूप में भी उचित हो।

विशेषज्ञ दल की सहभागिता को औपचारिक करने और एक दुसरे से तालमेल के लिए विशेषज्ञों की औपचारिक बैठक का प्रयास किया जाएगा।

विशेषज्ञ समूह की मासिक बैठक का प्रस्ताव होगा।

इस बैठक के संचालन के लिये एथिकल फाउंडेशन के द्वारा एक छोटी राशी प्रतिमाह 2000 रू0 चाय-बिस्किट और व्यवस्था के लिए दिया जायेगा। बैठक स्थल के लिए कोई राशी खर्च नहीं की जायेगी.

विचार यह भी है कि विशेषज्ञ दल की बैठक की विधि आपस में तय कर किया जा सकेगा।

उनके सहयोग के लिये इथीकल फांउण्डेशन से एक सचिव मुहैया कराया जायेगा।

बैठक के समय प्रयास किया जायेगा कि उपस्थित होकर हिस्सा लें, अगर नहीं तो Online हिस्सा लिया जा सकता है।

इस सलाहकार विशेषज्ञ दल का निम्न भूमिकायें हो सकती है-

- 'बेहतरी के लिए हम सबों को क्या करना चाहिए कि सार्वजनिक स्थल हम सभी निवासियों के लिए सुकुन भरा हो।' इस संकलन पर अपना विचार एवं सुझाव देना
- सेवादाताओं के लिये प्रशिक्षण समाग्री तैयार करने में मदद करना
- अन्य विशेषज्ञ लोगों से सहयोग प्राप्त करना
- सरकार को सुझाव देना
- संसाधन - फंड के mobilization में मदद करना
- ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण देने में मदद करना
- अन्य

F. युवा एवं बच्चों के लिये प्रोजेक्ट

सार्वजनिक स्थल पर वास्तविक परिस्थिति के अनुसार उसमें बेहतरी के उपाय को लागू करने के लिये युवाओं एवं विद्यार्थीयों को Project offer किया जायेगा।

संकलित उपायों में से कुछ उपाय बहुत साधारण होंगे, इन उपायों में कुछ उपाय समुदाय स्तर के होंगे एवं कुछ उपाय में सरकार का सहयोग की ज्यादा आवश्यकता होगी। इन व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए समुदाय स्तर पर लागू होने योग्य कुछ आसान प्रोजेक्ट तैयार किया जाएगा जो कि वे बड़ी उत्साह से करना पसंद करेंगे। कुछ युवा विद्यार्थी अपने कॉलेज शिक्षा में प्रोजेक्ट के लिए भी चयन कर सकते हैं।